श्री धरमचंदजी - एक व्यक्तित्व

30 जून 2013 को गोलालारीय समाज इन्दौर के वरिष्ठ सदस्य एवं न्यास की स्थायी ट्रस्टी श्री धरमचंदजी का स्वर्गवास हो गया। इस दुखद समाचार ने संपूर्ण समाज को स्तब्ध कर दिया। इन्दौर गोलालारीय समाज को संगठित कर आज इस मुकाम तक पहुँचाने में आपका बहुत बड़ा योगदान रहा है। आप इस संगठन की आधारशिला रहे। लगभग 50 वर्ष पूर्व जब समाज अनेक टुकड़ों में विभक्त था तब आपने कुछ साथियों की मदद से 'जैन मित्र मंडल' का गठन कर समाजजनों को जोड़ने का प्रयास करा, आशातीत सफलता मिलने लगी। समाजजनों को साथ लेकर नेहरु पार्क में टिफिन पार्टी का आयोजन होने लगा । समाज के सभी परिवार इस आयोजन से जुड़ते चले गये तत्पश्चात समाज पंचायत का गठन कर समाज हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये जिसमें सगाई के समय समस्त समाजजनों को बुलावा भेजा जावे और प्रत्येक वर्ष समाज के प्रत्येक परिवार से वार्षिक लागा लिया जावे। इसी बीच एक घटनाक्रम में पाटनीपुरा स्थित जैन मंदिर भवन को तोड़ने की चर्चा आयी। आप सभी ने इसका खुलकर विरोध करा, अंतत: उक्त भवन गोलालारीय समाज के पांच पंचों के नाम से खरीद लिया गया। जिसकी व्यवस्था वर्षों तक गोलालारीय समाज करता रहा।

आपने अपने सहयोगियों के साथ 40 वर्ष पूर्व न्यू देवास रोड़ पर समाज का मंदिर एवं सांस्कृतिक भवन के निर्माण के लिए जमीन क्रय की, जो आज हमारे समाज की धरोहर है। मई 1976 में श्री गुलाबचंद तामोट द्वारा सांस्कृतिक भवन का शिलान्यास कर निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ तत्पश्चात यहां मंदिरजी की स्थापना हुई। आपने कई वर्षों तक समाज में मंत्री एवं कोषाध्यक्ष पद को संभालते हुए समाज को संगठित एवं आर्थिक रुप से सुदृढ़ करने के लिए काफी प्रयास किया। समाज कार्यों को निष्पक्ष रुप से संचालित करने के आप सदैव पक्षधर रहे। संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए समाज का ट्रस्ट व सहकारी साख संस्था के निर्माण हेतु प्रयासरत रहे। परन्तु कुछ कारणों से यह कार्य समय पर संपन्न नहीं हो पाया । आपने मालवा गृह निर्माण संस्था में मंत्री पद पर रहते हुए विजय नगर में 60 से अधिक गोलालारीय समाज के परिवारों को मकान आवंटित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो अपने आप में एक महत्वपूर्ण कार्य है। आज विजय नगर जैन समाज की महत्वपूर्ण कालोनी है।

वर्ष 2002 में ट्रस्ट निर्माण पश्चात नवीन कार्यकारिणी ने अपने प्रथम दायित्व को निभाते हुए आपको स्थायी ट्रस्टी के रुप में मनोनीत कर समाज विकास के लिए मार्गदर्शन चाहा। आपने भी नवनियुक्त कार्यकारिणी को दिल खोलकर समर्थन दिया। 64 न्यू देवास रोड़ स्थित सांस्कृतिक भवन की रजिस्ट्री के कागजात समाज कार्यकारिणी को सौंप कर इस भवन को समाज की धरोहर बना दिया। जिस पर हमें सदैव गर्व रहेगा। समाज सदस्यों को संगठित होकर अपनी मातृ संस्था **''गोलालारीय समाज''** की उन्नति के लिए एक दूसरे के सहयोगी बनकर कार्य करने की भावना से आप सदैव समाजजनों को प्रेरित करते रहे ताकि समाज उत्तरोत्तर प्रगति कर सकें।

आपके निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है, आपका दीर्घकालिक सामाजिक योगदान हमें सदैव सद्कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा। हम आपकी आशाओं के अनुरुप संगठन को गतिशील बनाये रखेंगे और हमें पूर्ण विश्वास है कि आपके सुपुत्र श्री अनिल जैन, सुनील जैन एवं राजीव जैन आपके कार्यों को आगे बढ़ाते हुए समाज को सुदृढ़ एवं संगठित करने हेतु सदैव तत्पर रहकर आपका नाम गौरवांवित करेंगे।

श्री गोलालारीय दिगम्बर समाज न्यास, पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था, गोलालारीय दर्शन, गोलालारीय सोशल ग्रुप, स्तुति महिला मंडल और युवा मंच आपको विनम्र श्रद्धांजलि के अर्पित करता है।

प्रशस्ति पत्र के वितरण की जानकारी

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से गत दो वर्षों से प्रशस्ति पत्र प्रदान किये जा रहे है। हमारा दायित्व बनता है कि हम समाज के इन नौनिहालों को जिन्होंने वर्ष भर जी तोड़ मेहनत कर सफलता प्राप्त की है, उनका सम्मान अवश्य ही करना चाहिए । आपके नगर में कार्यक्रम आयोजित कर इन विद्यार्थियों का हौंसला अवश्य ही बढ़ाये साथ ही इनके माता पिता भी धन्यवाद के पात्र है जिन्होंने अपने बच्चों को सफलता के इस मुकाम तक पहुंचाने में सहयोग करा है तथा गोलालारीय दर्शन पत्रिका को जानकारी भेजकर संपूर्ण समाज से उनकी प्रतिभा को अवगत कराया है।

इस अंक में प्रकाशित विद्यार्थियों के प्रशस्ति पत्र सितम्बर 13 के प्रथम सप्ताह तक आपके नगर के पत्रिका प्रतिनिधि को या स्वयं आपको प्रेषित कर दिए जायेंगे। गत दो वर्षों में गोलालारीय दर्शन पत्रिका में प्रकाशित विद्यार्थियों को यदि प्रशस्ति पत्र प्राप्त नहीं हुये है तो वे 5 अगस्त 13 तक इसकी सूचना गोलालारीय दर्शन कार्यालय पर या संपादक राजेन्द्र जैन 9424013136 पर देकर सूचित कर सकते है ताकि उन्हें प्रशस्ति पत्र भेजने की व्यवस्था की जा सके।

जागो अभिभावकों जागो !

हाल ही में सभी विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित हुये, जिसमें गोलालारीय समाज के कई बच्चों ने अच्छी सफलता हासिल की है जिनके फोटो एवं अंक आप पत्रिका में देख ही रहे है। ये बच्चे अपने अथक परिश्रम व लगन से ही इस मुकाम को हासिल करने में सफल हुए है।

ऐसे कई बच्चें और भी है जिन्होंने ऐसी ही सफलता हासिल की मगर उनके पालको की उदासीनता के कारण उनकी सफलता सिर्फ उनके परिवार तक ही सीमित रह गई। विचार करें... क्या हमने अपने बच्चों के साथ न्याय किया है शायद नहीं ? हमारी उदासीनता ने बच्चे की प्रतिभा को सीमित कर दिया। ''गोलालारीय दर्शन'' का सदैव यह प्रयास रहा है कि अपने समाज का एक भी बच्चा जिसने किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल की हो उसको सभी के सामने लाया जाय ताकि उस बच्चे का उत्साह तो बढ़े ही व अन्य बच्चे भी उससे प्रेरणा लेकर आगे बढ़े और सफल हो। मगर हमारा प्रयास तब तक अधूरा है जब तक कि बच्चों के माता पिता प्रयास नहीं करेंगे उन्हें सामने लाने का। हमारी कई कोशिशों के बावजूद सफल बच्चों की अंकसूची एवं फोटो प्राप्त नहीं हुए है और इनमें से कुछ बच्चों ने शायद अपने शहर तथा प्रदेश में अच्छा नाम कमाया होगा । यदि उनका नाम प्रकाशित होने से रह जाता है तो यह हमारे समाज का बहुत बड़ा दुर्भाग्य और नुकसान है। अत: आप सभी से अनुरोध है कि **''जागो अभिभावक जागो''**। कहीं आप अपने बच्चों को जवाब देने लायक न रह जाये कि पापा हमारा फोटो इस पत्रिका में क्यों नही आया, हमने तो मेहनत की पर आपने क्यों नही की? अंत में गोलालारीय दर्शन की ओर से सभी बच्चों को हार्दि बधाई व उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ।

– अर्चना अजय जैन, सहसंपादिका

सोशल ग्रुप की मीटिंग सानंद संपन्न।

इन्दौर, राजेश जैन 'सायकलवाले'। समाज जनों में आपसी मेल जोल को बढ़ाने के लिए रिश्तों में नई ताजगी के उद्देश्य से सोशल ग्रुप का गठन किया जाता है जहां प्रत्येक सदस्य दिल खोलकर आंनदपूर्वक पूरा दिन व्यतीत करता है। गोलालारीय सोशल ग्रुप इन्दौर की मीटिंग 23 जून को रखी गई थी जिसमें सदस्यों के आगमन पर स्वल्पाहार के पश्चात फिल्म 'रांझणा' देखी उसके बाद सदस्यों की मीटिंग होटल मड ओवन में संपन्न हुई। मीटिंग में चर्चा के दौरान पंकज जैन, आनंद जैन, श्रीमति शशि जैन, बाहुबली जैन, कोमलचंद जैन एवं राजेन्द्र जैन 'बागो' ने अपने विचार रखें। जिसमें सोशल ग्रुप को निरंतर चलाने का फैसला सदस्यों द्वारा लिया गया। ग्रुप अध्यक्ष राजेश जैन सायकलवाले एवं सचिव अंचल पंचरत्न ने सदस्यों का आभार माना।

संत निवास निर्माण में सहयोग की अपील

इन्दौर, दीपक जैन। सुखलिया क्षेत्र में संत निवास की आवश्यकता काफी वर्षो से महसूस की जा रही थी। मुनिसंघ के पधारने पर उचित व्यवस्था न होने के कारण क्षेत्र के साधर्मी बंधु को मुनि सेवा के पुण्य लाभ से वंचित रहना पड़ता था। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए समाज की नवीन कार्यकारिणी के पदाधिकारियों और समाजजनों के सहयोग से मंदिरजी के सामने दो हजार स्के.फीट का भवन संत निवास हेतु खरीद लिया है। जिस तरह बूंद बूंद से घड़ा भरता है उसी तरह से आपका आर्थिक सहयोग हमारी गागर को भर सकता है। इस कार्य में आप कोषाध्यक्ष **श्री दीपक जैन 9893444519** से संपर्क कर सहयोग प्रदान कर सकते है।

❊ विनम्र श्रद्धांजली ❊

श्रीमती कमलेश धर्मपत्नी दीपचंदजी जैन, इन्दौर का स्वर्गवास 17 मई को हो गया है। आपको धर्म के प्रति विशेष रुचि थी। गोलालारीय दर्शन परिवार विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है।